आजमगढ़ महोत्सव :

पर्यटन भवन में आयोजित महोत्सव में शिल्पकारों ने लगाए स्टॉल

लखनऊ में आजमगढ़ की कलाकृति

◆ आजमगढ़ महोत्सव के शुभारंभ में नहीं पहुंचे मुख्यमंत्री

पर्यटन भवन में आजमगढ़ महोत्सव का दीप जलाकर उद्घाटन करने के बाद प्रदर्शनी में साड़ी देखते परिवहन मंत्री यासर शाह

जागरण संवाददाता, लखनऊ : बनारस की साड़ियां विश्व में काफी मशहूर हैं। हम सभी समझते हैं कि बनारसी साड़ियां सिर्फ बनारस में ही बनाई जाती हैं, लेकिन ज्यादातर बनारसी साड़ियां बनारस के करीब आजमगढ़, मुबारकपुर, हरिहरपुर, निजामाबाद, नेदावा आदि गांव में बनाई जाती हैं, जो बनारसी साड़ी के नाम से दुनिया भर में बेची जाती है। अब प्रदेश सरकार के प्रयास से इन साड़ियों को इनकी पहचान दिलाने की मुहिम तेज की जा रही है। रविवार को पर्यटन भवन में आयोजित आजमगढ़ महोत्सव उसी का एक माध्यम बताया जा रहा है। इंडियन ट्रस्ट रुरल हेरिटेज एंड डेवलपमेंट व पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित महोत्सव का शुभारंभ परिवहन मंत्री यासर शाह ने किया।

इस मौके पर ट्रस्ट की सदस्य सचिव अर्चना कपूर ने बताया कि प्रदेश सरकार के सहयोग से आजमगढ़ के शिल्पकारों को बढ़ावा देने के लिए यह महोत्सव लगाया गया है। इसमें शिल्पकारों को फ्री स्टॉल, आने जाने का किराया और रहने-खाने की सुविधा दी जाती है। शिल्पकारों को यहां एक मंच मिलता है, जहां सीधे तौर पर ग्राहकों को अपना उत्पाद बेच सके। वहीं यासर शाह ने कहाकि ऐसे आयोजन से प्रदेश के पिछड़े जिलों की प्रतिभा को आगे आने का अवसर मिलेगा, जो उत्तर प्रदेश के विकास के लिए जरूरी है। इस मौके पर प्रमुख सचिव नवनीत सहगल ने कहाकि कलाओं को बढ़ाएंगे तो टूरिज्म भी बढ़ेगा। प्रदेश में टूरिज्म को बढ़ाने व शिल्पकलाओं के उत्थान के लिए यह महोत्सव लगाया गया है। उन्होंने बताया कि हरिहरपुर को हेरिटेज प्लेस बनाने की योजना है।

आजमगढ़ महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के हाथों से होना था। लेकिन किसी कारण वश वह शुभारंभ करने नहीं पहुंच सके जिससे शिल्पकारों का जोश कम हो गया। ब्लैक पॉटरी का स्टॉल लगाए सोहित प्रजापति ने कहाकि बहुत खुशी थी कि मुख्यमंत्री आ रहे हैं, लेकिन वह नहीं आएं।

सिल्क साड़ियों का संग्रह

आजमगढ़ महोत्सव में सिल्क की साड़ियां बेहद ही खास हैं। सिल्क की कई वेरायटी स्टॉल में मौजूद है। इसमें मोगा, टशर, कतान, रेशम आदि ज्यादातर स्टॉलों पर मौजूद है। स्टॉल नंबर तीन पर मो अरमार ने बताया कि पहली बार इस आयोजन में आया हूं। हम लोग जो साड़ियां बनाते हैं वह बनारसी साड़ी के नाम से बाहर बेची जाती है।

निजामाबाद के बर्तन

महोत्सव में मिट्टी के बर्तन, उस पर हाथ से की हुई नक्काशी लोगों में आकर्षण का केंद्र रही। शिल्पकारों की कला को देख सभी लोग खुश हुए। निजामाबाद के घुरहू राम प्रजापति कहते हैं कि वह दूसरी बार इस महोत्सव में आए हैं। प्रदेश सरकार ने काफी अच्छा काम किया है।